Part A- Introduction

Programme: Degree Course		Class: B.A	Year: III	Session:2023-2024
Subject: Sociology				
01	Course Code	A3-SOC1D		
02	Course Title	Major Sociological Thinkers		
03	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/)	Discipline specific Elective Group A Paper- I		
04	Pre-requisite	This course is available for third year under graduate students who have opted Sociology as their major subject.		
05	Course Learning Outcomes (CLO)	After completing this course student will be able to understand:- 1. The original text of sociological thought. 2. They will be able to critically analyze the theoretical arguments of different scholars. 3. Students will be able to apply sociological theories to understand the Social phenomena of the practical world. 4. This course will be helpful to develop deep scientific and logical understanding about society, culture and traditions among students.		
06	Credit Value	Theory-6		
07	Total Marks	Maximum Marks:30+70	Minimum Passing Marks:35	

Bajpai
(Dr. M. Bajpai)

<table>
<tr><th colspan="3">Part B–Content of the Course</th></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Lectures (in hours per week): hours per week Total of Lectures: 60hours</td></tr>
<tr><td>Unit</td><td>Topics</td><td>Number of Lectures (One Hour Each)</td></tr>
<tr><td>I

Key Words</td><td>Emergence of social thinking:
1. Social thought in Indian tradition
2. Renaissance
3. Social Impact of Industrial revolution and capitalism
4. Social Impact of the French revolution
Social thinking, Renaissance, Industrial Revolution, French revolution, Capitalism</td><td>18</td></tr>
<tr><td>II

Key words</td><td>Major Propounders of Sociology: Introduction & Contribution
1. August Comte : Hierarchy of Sciences, Law of three stages
2. Emile Durkheim: Theory of suicide ,Mechanical and Organic Solidarity
3. Herbert Spencer : Theory of Social Evolution, Organic theory of Society

Suicide, Mechanical Solidarity, Organic Solidarity and Social Evolution.</td><td>18</td></tr>
<tr><td>III

Key words</td><td>Leading Thinkers of Sociology : Introduction & Contribution
1. Max Weber : Theory of Social Action, concept of Bureaucracy
2. Karl Marks : Theory of Dialectical Materialism, Theory of Economic Determinism
3. RobertK. Merton : Functional perspective, Concept of Deviation

Social Action, Dialectical Materialism, Economic Determinism, Deviation, Functional perspective.</td><td>18</td></tr>
<tr><td>IV</td><td>Pioneers of Indian Sociology: Introduction & Contribution
1. Radhakamal Mukherjee : Sociology of values, Indian culture and civilization.
2. Govind Sadashiv Ghuriye: National unity and Integration, caste and racein India.
3. Shyamacharn Dubey: Indian rural structure , tradition and change.</td><td>18</td></tr>
</table>

(Dr. M. Bajpai)

Key Words	Sociology of Values, National Unity, Caste, Races, Tradition.	
V	**Prominent Indian social thinkers: Introduction & Contribution** 1. Mohandas Karamchand Gandhi : Concept of Sarvodaya, Theory of Trusteeship 2. Bhimrao Ambedkar : Social Justice, Empowerment 3. Swami Vivekanand : concept of Nationalism, concept of Ideal society. 4. Jyotiba Phule : Ideological background and social contribution. 5. Savitri Bai Phule : Ideological background and social contribution. 6. Dindayal Upadhyaya : Integral Humanism.	18
Key Words	Sarvodaya, Trusteeship, Social Justice, Nationalism, Integral humanism.	

Part C–Learning Resources

Text books, Reference Books, Other Sources

1. Doshi,S.L.,(2007)Modern Sociological Thinkers, Rawat Publication Jaipur.
2. Nagla,B.K.,(2015)Indian Sociological Thought, Rawat Publication Jaipur.
3. Rao Shankar,C.N.,(2019) Principal of Sociology, SChandand Company Delhi.
4. Rawat, H.K.,(2009) Sociological Thinkers and Theories, Rawat Publication Jaipur.
5. दोषी, एस.एल. एवं जैन, पी.सी. (2001) प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक, रावत पब्लिकेशन जयपुर,
6. मुखर्जी, आर.एन., (2020) समाजशास्त्रीय विचारक, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन दिल्ली,
7. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा डी.डी. (2022) सामाजिक विचारक, साहित्य भवन प्रकाशन आगरा,
8. सुराणा, पुष्पेन्द्र, (1999) सामाजिक विचारक, राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर।
9. Foundations of Sociological Thoughts, Sadhana Gokhale, Nirali Prakashan
10. Sociological Thought From comte to Sorokin, Francis abraham & john H. Morgan. Wyndham Hall press.
11. वर्मा ओ.पी. दुर्खीम एक अध्ययन, विवेक प्रकाशन 2003

Suggestive digital platforms:

https://nptel.ac.in/https://swayam.gov.in/explorer
https://rb.gy/c3ire9
https://rb.gy/fs86yi
www.eshikash.mp.gov.in

(Dr. M. Bajpai)

Suggested equivalent Online Courses:

IGNOU, UGC, epgPathshala & Other centrally/state operated Universities. MOOC platforms suchas "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D : Assessment and Evaluation (Theory)

Maximum Marks: 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 30
University Exam(UE): 70

Internal Assessment :Continuous Comprehensive Evaluation(CCE)	**Class Test** **Assignment / Presentation**	Total Marks:**30**
External Assessment : University Exam Time:3.00Hours	Section(A):Objective Type Question Section(B): Short Note Type Questions Section(C):Long Questions	Total Marks:70

(Dr. M. Bajpai)

भाग 'अ' प्रथम प्रश्न-पत्र - परिचय				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम विषय : समाजशास्त्र		कक्षा : बी.ए.	वर्ष : तृतीय	सत्र : 2023-2024
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-S0CI1D		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक,		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	डिसीप्लेन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह ए पेपर – प्रथम		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	यह पाठ्यक्रम स्नातक तृतीय वर्ष के उन विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने मुख्य विषय के रूप में समाजशास्त्र विषय का चयन किया है I		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	प्रस्तुत अध्ययन के द्वारा विद्यार्थी में निम्नलिखित समझ विकसित होगी - 1. समाजशास्त्रीय चिंतन के मूल पाठ की समझ सकेंगे। 2. वे विभिन्न विद्वानों के सैद्धांतिक तर्क का आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। 3. व्यवहारिक दुनिया में सामाजिक घटना को समझने के लिए विद्यार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांतों को लागू करने में सक्षम होंगे। 4. यह पाठ्यक्रम भारतीय समाज, संस्कृति एवं परम्पराओं की वैज्ञानिक एवं गहन तार्किक समझ विद्यार्थी में विकसित करेगा।		
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक– 6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35	

भाग ब - पाठ्यक्रम की विषय वस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या - 60 घंटे ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (घंटा प्रति सप्ताह)		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	**सामाजिक चिंतन का प्रादुर्भाव :** 1. भारतीय परंपरा में सामाजिक चिंतन 2. पुनर्जागरण काल 3. फ्रांसीसी राज्य क्रांति का सामाजिक प्रभाव 4. औद्योगिक क्रांति एवं पूंजीवाद का सामाजिक प्रभाव	18
सारबिंदु :	सामाजिक चिंतन, पुनर्जागरण काल, औद्योगिक क्रांति, फ्रांसीसी क्रांति, पूंजीवाद।	

(Dr. M. Bajpai)

II	**समाजशास्त्र के प्रमुख प्रतिपादक** : परिचय एवं योगदान 1. अगस्टकॉम्ट : विज्ञानों का संस्तरण और चिंतन के तीन स्तरों का नियम | 2. इमाईल दुर्खीम : आत्महत्या का सिद्धांत, यांत्रिक एवं सावयवी एकता | 3. हर्बर्ट स्पेंसर : सामाजिक उद्विकास का सिद्धांत, समाज का सावयवी सिद्धांत |	18
सारबिंदु :	आत्महत्या, यांत्रिक एकता, सावयवी एकता, सामाजिक उद्विकास |	
III	**समाजशास्त्र के अग्रणी विचारक** : परिचय एवं योगदान 1. मैक्सवेबर : सामाजिक क्रिया का सिद्धांत, नौकरशाही की अवधारणा | 2. कार्ल मार्क्स : द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद का सिद्धांत, आर्थिक निर्धारणवाद का सिद्धांत | 3. रॉबर्ट के. मर्टन : प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य, विचलन की अवधारणा |	18
सारबिंदु :	सामाजिक क्रिया, द्वंद्वात्मक भौतिकवाद, आर्थिक निर्धारणवाद, विचलन, प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य |	
IV	**भारतीय समाजशास्त्र के पथप्रदर्शक** : परिचय एवं योगदान 1. राधा कमल मुखर्जी : मूल्यों का समाजशास्त्र, भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता | 2. गोविंद सदाशिव घुर्ये : राष्ट्रीय एकता एवं एकीकरण, भारत में जाति और प्रजाति 3. श्यामाचरण दुबे : भारतीय ग्राम संरचना, परंपरा एवं परिवर्तन |	18
सारबिंदु :	मूल्यों का समाजशास्त्र, राष्ट्रीय एकता, जाति, प्रजाति, परंपरा |	
V	**प्रमुख भारतीय सामाजिक विचारक** : परिचय एवं योगदान 1. मोहन दास करमचंद गांधी : सर्वोदय की अवधारणा, संरक्षकता का सिद्धांत I 2. भीमराव अंबेडकर : सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण | 3. स्वामी विवेकानंद : राष्ट्रवाद की अवधारणा, आदर्श समाज की अवधारणा | 4. ज्योतिबा फुले : वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक योगदान | 5. सावित्री बाई फुले : वैचारिक पृष्ठ भूमि एवं सामाजिक योगदान | 6. दीनदयाल उपाध्याय: एकात्ममानववाद |	18
सारबिंदु :	सर्वोदय, संरक्षकता, सामाजिक न्याय, राष्ट्रवाद, एकात्ममानववाद |	

(Dr. M. Bajpai)

भाग स - अनुशंसित अध्ययन संसाधन
अनुशंसित पुस्तकें / सहायक पुस्तकें /अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री :
1. Doshi, S.L.,(2007) Modern Sociological Thinkers, Rawat Publication Jaipur. 2. Nagla, B.K.,(2015) Indian Sociological Thought, Rawat Publication Jaipur. 3. Rao Shankar,C.N.,(2019) Principal of Sociology, S Chandand CompanyDelhi. 4. Rawat, H.K.,(2009) Sociological Thinkers and Theories, Rawat Publication Jaipur. 5. दोषी, एस.एल. एवं जैन, पी.सी. (2001) प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक, रावत पब्लिकेशन जयपुर, 6. मुखर्जी, आर.एन., (2020) समाजशास्त्रीय विचारक, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन दिल्ली, 7. गुप्ता, एम.एल. एवं शर्मा डी.डी. (2022) सामाजिक विचारक, साहित्य भवन प्रकाशन आगरा, 8. सुराणा, पुष्पेन्द्र, (1999) सामाजिक विचारक, राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर । 9. Foundations of Sociological Thoughts, Sadhana Gokhale, Nirali Prakashan 10. Sociological Thought From comte to Sorokin, Francis abraham & john H. Morgan. Wyndham Hall press. 11. वर्मा ओ.पी. दुर्खीम एक अध्ययन, विवेक प्रकाशन 2003
Suggestive digital platforms: https://nptel.ac.in/https://swaya m.gov.in/explorer https://rb.gy/c3ire9 https://rb.gy/fs86yi www.eshikash.mp.gov.in
Suggested equivalent Online Courses: IGNOU,UGC, ePG Pathshala & Other centrally / stateoperated Universities. MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.
भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां :
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	क्लासटेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय- 3.00 घंटे	अनुभाग (अ) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु उत्तरी प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 70

(Dr M. Bajpai)

Part (A) Introduction

Programme: Degree Course	Class: B.A.	Year :III	Session: 2023-2024
Subject : SOCIOLOGY			
01	Course Code	A3-SOCI2D	
02	Course Title	Social Demography	
03	Course Type	Discipline Specific Elective Group 'A' Paper II	
04	Pre-requisite	This course is available for third year undergraduate students who have opted Sociology as their major subject.	
05	Course Learning Outcomes (CLO)	This course learning will make students familiar with the powerful social aspects which determine and effect population. The expected outcomes of this course will be 1. Study of this paper will help students to understand the institutional and structural concepts of population in a scientific and logical manner. 2. Population density ,sex ratio age and income distribution pattern etc will be covered in this paper which can help students to establish their own business. 3. Knowledge about MP and India's different population indices will help students in competitive examinations. 4. Various data regarding population will help students in high level research work in future. 5. Different technical terms like fertility, mortality, life expectancy etc will impart knowledge to students which will help make them aware of future scenario. 6. Various constitutional provisions related to family planning and safe Motherhood will lead to basis of women empowerment. 7. Knowledge regarding population will enable students to to register in employment office ,different aspect of life and death certificate related records will be covered in the course.	
06	Credit Value	Theory – 6	
07	Total Marks	Maximum Marks: 30+70	Minimum Passing Marks: 35

(Dr M. Bajpai)

Part B – Content of the Course		
Total No. of Lectures (in hours per week) : Total of Lectures :		
Unit	Topics	Number of Lectures
I	**Demography Sociological Perspective** 1. Demography 1.1 concept 1.2 Nature 1.3 Subject Matter 1.4 Importance 2 Relation of Demography with Sociology 3. Method of Collection of Population Data 4. History of Demographic Study in India	18
key Words	Demography, Nature of Demography, Method of Collection of Population Data	
II	**Theories of Population** 1. Malthusian Theory of Population 2. New Malthusianism 3 .Optimum Theory of Population 4. Biological Theories of Population 5. Socio-Culture and Economic theories of Population	18
Key words	Malthusian theory of population, New Malthusianism, Optimum Theory of Population, Biological theories of Population, Socio-Cultural and Economic theories of Population	
III	**Fertility, Mortality and Morbidity** 1. Fertility: 1.1 concept 1.2 Factor Affecting Fertility 1.3 Measurement of Fertility 2. Mortality: 2.1 Concept 2.2 Factor Affecting Mortality	18

Bastin
(Dr. M. Bajpai)

	2.3 Measurement of Mortality 3. Morbidity: 3.1 Concept 3.2 Importance of the Study of Morbidity 3.3 Measurement of Morbidity 4. Infant mortality: 4.1 Concept 4.2 Causes of High Infant Mortality	
Key Words	Measurement of Fertility, Mortality, Measurement of Mortality, Morbidity, Measurement of Morbidity, Infant Mortality	
IV	Census in India 1.History of Census in India: 1.1 Concept 1.2 Administrative Structure 2. Composition of Indian Population: 2.1 Size , Density of Population 2.2 Birth Rate and Death rate 2.3 Sex Ratio, Youth and Working Population 2.4 Literacy rate, Rural and Urban Population 3. Composition of Population of Madhya Pradesh 4. Over Population in India: Causes & Effect	18
Key Words	Census in India, Composition of Population, Birth rate, Death Rate, Sex Ratio, Density of Population, Literacy Rate	
V	Population Policy and Family Welfare programme 1. Population Policy: 1.1 Concept 1.2 Objectives 1.3 National population policy-2000 2. family planning and welfare programme 2.1 Concept 2.2 Need 2.3 Constitutional Provision	18

Bajpai
(Dr M. Bajpai)

	2.4 Evaluation of Family Welfare programme 3. Population Education 3.1 Concept 3.2 Objectives 3.3 Need	
Key Words	Population Policy, family planning programme, Family Welfare Programme, Population Education	

Part C – Learning Resources
Text books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Bhend Asha A Kanitkar Tara principle of population studies, Himalaya publishing house
2. Boss Ashish population statistics in India, B.R. publishing Corporation Delhi 1994
3. Gupta Samir Das social demography Darling Kindersley India Private Limited 2012
4. Jhingan M.L. Bhatt B.K. Desai J.N. Demography Publication Vrinda Publication, private limited
5. K. Davis, population of India and Pakistan, Princeton univ. press1951
6. Premi MK an introduction to social demography Vikas publishing house Delhi 1983
7. बघेल, डी.एस.बघेल किरण, जनांकिकी विवेक प्रकाशन यू.ए.जवाहर नगर नई दिल्ली 2019
8. गुप्ता, शिवनारायण. कुमार,वि जनांकिकी एसबीपीडी पब्लिशिंग हाउस आगरा 2015
9. गुप्ता, शील चंद्र,जनांकिकी कैलाश पुस्तक सदन भोपाल 2018
10. मिश्रा,जयप्रकाश जनांकिकी साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा 2008
11. सिन्हा, वी. सी. जनांकिकी एसबीपीडी पब्लिकेशन हाउस आगरा
12. वर्मा, ज्योति सामाजिक जनांकिकी डिस्कवरी पब्लिक हाउस नई दिल्ली 2018
13. Unique Quintessences of Sociology,(2013) Unique Publication New Delhi
14. Census of India (2011) Provisional Population Portals M.P., Directorate of Census Operation Madhya Pradesh,2011
15. श्रीवास्तव, ओ. एस.,(2005) जनांकिकी शास्त्र एवं जनसंख्या शास्त्र,क्वालिटी पब्लिशिंग कम्पनी
16. रावत, हरिकृष्ण,(2006) उच्चतर समाजशास्त्र विश्वकोश, रावतपब्लिकेशन्स, जयपुर

Bajpai
(Dr M. Bajpai)

Suggestive digital platforms web links :
Censusindia.gov.in www.india.gov.in (census report) Government of India health survey report https://nptel.ac.in https://swayam.gov.in/explorer www.eshikash.mp.gov.in https://rb.gy/g0dcai https://rb.gy/anhc64 https://rb.gy/50tlnk https://rb.gy/s4ooap https://rb.gy/ma8gyi
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

Part D: Assessment and Evaluation (Theory)		
Maximum Marks: 100 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 University Exam (UE) : 70 Time: **02.00 Hours**		
Internal Assessment: Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/ Presentation	
	Total	30
External Assessment: University Exam	Section (A): Very Short Questions Section (B): Short Questions Section (C): Long Question	
	Total	70

Bajpai
(Dr M. Bajpai)

भागअ- परिचय				
कार्यक्रम: उपाधि पाठ्यक्रम		कक्षा: बी.ए.	वर्ष : तृतीय वर्ष	सत्र : 2023-2024
विषय: समाजशास्त्र				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-SOCI2D		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	'सामाजिक जनांकिकी'		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिकइलेक्टिव/ वोकेशनल)	डिसीप्लेन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह ए पेपर – द्वितीय		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदिकोईहो)	यह एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम है जिसका चयन बी.ए. तृतीय वर्ष के वे सभी विद्यार्थी कर सकते हैं जिनका समाजशास्त्र मुख्य (मेजर) विषय है।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का अध्ययन विद्यार्थियों को जनसंख्या के संस्थागत और संरचनात्मक घटकों का वैज्ञानिक एवं तार्किक ज्ञान प्रदान करने में सहायक होगा। 2. जनसंख्या घनत्व, लिंगानुपात, आयु एवं आय वितरण का ज्ञान विद्यार्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सहायक होगा। 3. भारत एवं म.प्र. की विभिन्न जनसंख्यात्मक सूचनाएं विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाने में सहायक होगी। 4.जनसंख्या संबंधी विभिन्न समंकों की जानकारी उच्चस्तरीय शोध में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेगी। 5. विभिन्न तकनीकी शब्दावली जैसे - प्रजननता, मृत्युक्रम, जीवन प्रत्याशा आदि विद्यार्थियों का ज्ञान वर्धन कर उन्हें भविष्य के लिए सचेत करेगी। 6. परिवार नियोजन एवं सुरक्षित मातृत्व संबंधी विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों का ज्ञान महिला सशक्तिकरण का आधार बनेगा। 7. जनगणना संबंधी ज्ञान विद्यार्थी को रोजगार कार्यालय में पंजीयन, जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र संबंधी विभिन्न अभिलेखों के विषय में जानकारी प्रदान करने में सहायक होगा।		
6	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक – 6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

(Dr. M. Bajpai)

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषय वस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	**जनांकिकी: समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य** 1.जनांकिकी 1.1अवधारणा 1.2 प्रकृति 1.3 विषयक्षेत्र 1.4 महत्व 2.जनांकिकी का समाजशास्त्र से संबंध 3.जनगणना आंकड़ों के संग्रहण की विधियां 4.भारत में जनांकिकीय अध्ययन का इतिहास	18
सार बिन्दु :	जनांकिकी, जनांकिकी की प्रकृति, जनगणना आंकड़ों के संग्रहण की विधियां.	
II	**जनसंख्या के सिद्धांत** 1. माल्थस का जनसंख्या का सिद्धांत 2.नव माल्थसवाद 3.अनुकूलतम जनसंख्या का सिद्धांत 4.जनसंख्या का जैविकीय सिद्धांत 5.जनसंख्या का सामाजिक सांस्कृतिक तथा आर्थिक सिद्धांत	18
सारबिंदु :	माल्थस का सिद्धांत, नवमाल्थसवाद, अनुकूलतम जनसंख्या का सिद्धांत, जनसंख्या का जैविकीय सिद्धांत, जनसंख्या का सामाजिक सांस्कृतिक सिद्धांत तथा आर्थिक सिद्धांत	
III	**प्रजननता, मृत्युक्रम एवं अस्वस्थता प्रमापन** 1.प्रजननता: 1.1 अवधारणा 1.2 प्रजननता को प्रभावित करने वाले तत्व 1.3 प्रजननता मापन की विधियां 2.मृत्युक्रम: 2.1अवधारणा 2.2 मृत्युक्रम को प्रभावित करने वाले कारक	18

(Dr. M. Bajpai)

	2.3 मृत्युक्रम मापन की विधियां 3.अस्वस्थता: 3.1अवधारणा 3.2 अस्वस्थता के अध्ययन का महत्व 3.3अस्वस्थता का मापन 4.शिशु मृत्यु दर: 4.1अवधारणा 4.2 ऊंची शिशु मृत्यु दर के कारण	
सार बिंदु :	प्रजननता, प्रजननता मापन की विधियां, मृत्युक्रम, मृत्युक्रममापन की विधियां, अस्वस्थता, अस्वस्थता का मापन, शिशु मृत्युदर	
IV	**भारत में जनगणना** 1.भारत में जनगणना का इतिहास 1.1 अवधारणा 1.2 प्रशासनिक ढांचा 2.भारत की जनसंख्या की संरचना 2.1 आकार एवं जनघनत्व 2.2 जन्मदर एवं मृत्युदर 2.3 लिंगानुपात, युवा एवं कार्यशील जनसंख्या 2.4 साक्षरता दर,ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या 3.मध्यप्रदेश की जनसंख्यात्मक संरचना 4.भारत में जनाधिक्य की समस्या- कारण एवं प्रभाव	18
सार बिंदु :	जनगणना, भारत में जनसंख्या की संरचना, जन्मदर, मृत्युदर, लिंगानुपात, जनसंख्या घनत्व, साक्षरता दर.	
V	**जनसंख्या नीति एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम** 1.जनसंख्या नीति: 1.1अवधारणा 1.2 उद्देश्य 1.3 राष्ट्रीयजन संख्या नीति-2000 2. परिवार नियोजन एवं कल्याण कार्यक्रम: 2.1अवधारणा 2.2आवश्यकता 2.3 संवैधानिक प्रावधान	18

(Dr. M. Bajpai)

	2.4 परिवार नियोजन कार्यक्रम का मूल्यांकन 3.जनसंख्या शिक्षा: 3.1अवधारणा 3.2 उद्देश्य 3.3 आवश्यकता	
सार बिंदु :	जनसंख्या नीति, परिवार नियोजन कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम, जनसंख्या शिक्षा	

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. पंत, जी.सी, जनांकिकी
2. श्रीवास्तव, ओ.एस., जनांकिशास्त्र का अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र
3. बघेल, किरण, जनांकिकी एवं भारत में जनस्वास्थ्य
4. सिन्हा, वी.सी., जनांकिकी के सिद्धांत
5. अग्रवाल, आर. के., जनांकिकी-शास्त्र
6. Srivastav, S.C., Studies in Demography
7. Shrivastava, O S., A Textbook of Demography
8. Bose, Ashish, Population Statistics In India
9. Sharma, R N., Demography and Population Problems
10. Premi, M.K., An Introduction to Social Demography
11. Bhend, Asha A., Principles of Population Studies
12. Gupta , Samir Das, (2012) Social Demography, Dorling
   Kindersley (India) Pvt. Ltd
13. Unique Quintessences of Sociology,(2013) Unique Publication New Delhi
14. Census of India (2011) Provisional Population Portals M.P., Directorate of Census
   Operations, Madhya Pradesh,2011
15. कुमार , वी., जनांकिकी , साहित्य भवन, आगरा
16. पंत, जीवनचंद्र, जनांकिकी
17. दुबे, मिश्रा, नजनकी की एवं जनसंख्या अध्ययन
18. बघेल,डी.एस. एवं बघेल, किरण (2019) जनांकिकी, विवेक प्रकाशन 7- यू.ए.
जवाहर नगर, नईदिल्ली
19. गुप्ता, शीलचंद, (2018) जनांकिकी,कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
20. मिश्रा, जयप्रकाश, (2018) जनांकिकी, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा
21. वर्मा ज्योति, (2018) सामाजिक जनांकिकी,डिस्कवरी पब्लिक हाउस, नई दिल्ली

(Dr M. Bajpai)

22. श्रीवास्तव, ओ.एस., (2005) 'जनांकिकी शास्त्र एवं जनसंख्या शास्त्र' .ट्रिनिटी पब्लिशिंग कम्पनी, भोपाल
23. रावत, हरिकृष्ण.(2006) उच्चतर समाजशास्त्र विश्वकोश, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर.

Suggestive digital platforms web links :

Censusindia.gov.in

www.india.gov.in (census report)

Government of India health survey report

https://nptel.ac.in

https://swayam.gov.in/explorer

www.eshikash.mp.gov.in

https://rb.gy/g0dcai

https://rb.gy/anhc64

https://rb.gy/50tlnk

https://rb.gy/s4ooap

https://rb.gy/ma8gyi

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लासटेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुलअंक : 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब): वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (स): वस्तुनिष्ठ प्रश्न	कुलअंक 70

कोई टिप्पणी/सुझाव:

(Dr M. Bajpai)

Foundation of Sociological Thought Group 'B' - Paper First

Programme : Degree Course		Class : B.A	Year : III	Session : 2023-2024
Subject : Sociology				
01	Course Code	A3-SOCI3D		
02	Course Title	Foundation of Sociological Thought		
03	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/ Vocational/)	Discipline Specific Elective Group 'B' - Paper First		
04	Pre-requisite	This course is available to third year undergraduate students who have opted Sociology as their major subject.		
05	Course Learning Outcomes (CLO)	**After Completing this course students will be able to understand the followings :-** 1. The original text of sociological thought. 2. They will be able to critically analyze the theoretical argument of different scholars. 3. Students will be able to apply sociological theories to understand the social phenomena in the practical world. 4. This course will be helpful to develop the deep scientific and logical understanding about Indian Society, culture and traditions among students.		
06	Credit Value	Theory - 6		
07	Total Marks	Maximum Marks: 30 + 70	Minimum Passing Marks: 35	

Bajpai
(Dr M. Bajpai)

Part B – Content of the Course		
Total No. of Lectures (in hours per week) : **Total of Lectures:**		
Unit	Topics	Number of Lectures
I	**Origin of social thinking :** 1. Explanation of social thinking in Indian background. 2. Renaissance. 3. Economic Background of Sociological Thinking. 4. Historical Background of Sociological Thinking. **Key Words** - Sociological Thinking, Economic Background, Historical Background, Renaissance.	18
II	**Major prpounders of sociology : Introduction & Contribution** 1. August Comte : Concept of Sociology. The Law of three Stages of Thinking. 2. Emile Durkheim : Social Fact, theory of Suicide. 3. Herbert Spencer : Theory of social evolution, **Key words –** Social Fact, Suicide, social evolution.	18
III	**Major Sociological Thinkers: Introduction & Contribution** 1. Karl Marks: Theory of Surplus Value, Theory of Dialectical Materialism. 2. Max Weber: Theory of Ideal Type, Theory of Social Action. 3. Talcott Parsons: Concept of Social System, Theory of Social Action. **Key Words –** Surplus Value, Dialectical Materialism, Social Action, Social System.	18
IV	**Leading Indian Sociologist : Introduction & Contribution** 1. Radhakamal Mukherjee: Personality, Society and Values, Indian Culture and Civilization. 2. Irawati karwey :kinship Organization in India. 3. Yogendra Singh: Modernization of Indian Tradition's. **Key Words –** Personality, Values, Culture, Kinship Traditions.	18

(Dr. M. Bajpai)

V	**Prominent Indian social thinker : Introduction & Contribution** 1. Mohandas Karamchand Gandhi: Concept of Gramswaraj, Theory of Trustiship 2. Bhimrao Ambedkar: Social Empowerment. 3. Swami Vivekanand: Concept of Nationalism, Concept of Ideal society. 4. Jyotiba Phule: Ideological background and social contribution. 5. Savitri Bai Phule: Ideological background and social contribution. **Key Worlds–**Gramswraj, Trustiship, Social Empowerment, Nationalism, Ideal society.	18

Part C – Learning Resources

Text books, Reference Books, Other Sources

1. Doshi, S.L., (2007) Modern Sociological Thinkers, Rawat Publication Jaipur.
2. Nagla, B.K., (2015) Indian Sociological Thought, Rawat Publication Jaipur.
3. Rao Shankar, C. N., (2019) Principal of Sociology, S Chand and Company Delhi.
4. Rawat, H. K., (2009) Sociological Thinkers and Theories, Rawat Publication Jaipur.
5. दोषी, एस.एल. एवं जैन, पी.सी., (2001) प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, रावत पब्लिकेशन जयपुर.
6. मुखर्जी, आर.एन., (2020) समाजशास्त्रीय विचारक, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशनदिल्ली.
7. गुप्ता, एम. एल. एवंशर्मा, डी. डी., (2022) सामाजिक विचारक, साहित्य भवन प्रकाशन आगरा.
8. गुराणा, पुष्पेंद्र, (1999) सामाजिक विचारक, राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर.
9. Foundations of Sociological Thoughts, Sadhana Gokhale, Nirali Prakashan
10. Sociological Thought From comte to Sorokin, Francis abraham & john H. Morgan, Wyndham Hall press.

Suggestive digital platforms :

https://nptel.ac.in/
https://swayam.gov.in/explorer
https://rb.gy/c3ire9
https://rb.gy/fs86yi
www.eshikash.mp.gov.in

Suggested equivalent Online Courses :

IGNOU, UGC, ePGPathshala& Other centrally /state operated Universities.
MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad

Part D : Assessment and Evaluation (Theory)

Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30
University Exam (UE) : 70

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test	
	Assignment/ Presentation	
	Total Marks	30
External Assessment : University Exam Time : 3.00 Hours	Section (A) : Objective Type Question Section (B) : Short Type Questions Section (C) : Long Questions	Total Marks : 70

Bajpai
(Dr. M. Bajpai)

भाग ब- परिचय				
कार्यक्रम: उपाधि पाठ्यक्रम		कक्षा: बी.ए.	वर्ष : तृतीय	सत्र : 2023-2024
विषय: समाजशास्त्र				
1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-SOCI3D		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	'समाजशास्त्रीय चिन्तन का आधार'		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)	डिसीप्लेन स्पेसिफिक इलेक्टिव समूह ग्रुप 'ब' पेपर – प्रथम		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	यह पाठ्यक्रम स्नातक तृतीय वर्ष के उन विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने मुख्य विषय के रूप में समाजशास्त्र विषय का चयन किया है।		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस प्रश्न-पत्र को पूर्ण करने बाद विद्यार्थी समझ सकेंगे:- 1. समाजशास्त्रीय चिन्तन के मूल पाठ को समझ सकेंगे। 2. वे विभिन्न विद्वानों के सैद्धांतिक तर्क का आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। 3. व्यावहारिक दुनिया में सामाजिक घटना को समझने के लिए विद्यार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांतों को लागू करने में सक्षम होंगे। 4. यह पाठ्यक्रम भारतीय समाज, संस्कृति एवं परम्पराओं की वैज्ञानिक एवं गहन तार्किक समझ विद्यार्थी में विकसित करेगा।		
6	क्रेडिटमान	सैद्धांतिक – 6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या- ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): कुल व्याख्यानों की संख्या:		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	समाजशास्त्रीय चिंतन की उत्पत्ति : 1. भारतीय पृष्ठभूमि में सामाजिक चिंतन की व्याख्या 2. पुनर्जागरण काल 3. समाजशास्त्रीय चिंतन की आर्थिक पृष्ठभूमि 4. समाजशास्त्रीय चिंतन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि **सार बिन्दु** : समाजशास्त्रीय चिंतन, आर्थिक पृष्ठभूमि, ऐतिहासिक	18

(Dr M. Bajpa

	पृष्ठभूमि, पुनर्जागरण काल।	
II	**प्रमुख समाजशास्त्रीय प्रतिपादक : परिचय एवं योगदान** 1. अगस्त कॉम्टे : समाजशास्त्र की अवधारणा, चिंतन के तीन स्तरों का नियम। 2. इमाईल दुर्खीम : सामाजिक तथ्य, आत्महत्या का सिद्धांत । 3. हरबर्ट स्पेंसर : सामाजिक उद्विकास का सिद्धांत। **सार बिन्दु :** सामाजिक तथ्य, उद्विकास, सामाजिक उद्विकास।	18
III	**प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक : परिचय एवं योगदान** 1. कार्ल मार्क्स : अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत, द्वंदात्मक भौतिकवाद का सिद्धांत। 2. मैक्स वेबर : आदर्श प्रारूप का सिद्धांत, सामाजिक क्रिया का सिद्धांत। 3. टॉलकाट पारसन्स: सामाजिक व्यवस्था की अवधारणा, सामाजिक क्रिया का सिद्धांत। **सार बिन्दु :** अतिरिक्त मूल्य, द्वंदात्मक भौतिकवाद, आदर्श प्रारूप,सामाजिक क्रिया, सामाजिक व्यवस्था।	18
IV	**अग्रणी भारतीय समाजशास्त्री : परिचय एवं योगदान** 1. राधा कमल मुखर्जी : व्यक्तित्व, समाज एवं मूल्य, भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता। 2. इरावती कर्वे : भारत में नातेदारी संगठन । 3. योगेंद्र सिंह : भारतीय परंपराओं का आधुनिकीकरण। **सार बिन्दु :** व्यक्तित्व, भारतीय संस्कृति, नातेदारी संगठन, आधुनिकीकरण।	18
V	**प्रमुख भारतीय सामाजिक चिंतक : परिचय एवं योगदान** 1. मोहनदास करमचंद गांधी : ग्राम स्वराज की अवधारणा, संरक्षकता का सिद्धांत। 2. भीमराव अंबेडकर : सामाजिक सशक्तिकरण। 3. स्वामी विवेकानंद : राष्ट्रवाद की अवधारणा, आदर्श समाज की अवधारणा। 4. ज्योतिबा फुले : वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक योगदान। 5. सावित्री बाई फुले : वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक योगदान। **सार बिन्दु :** ग्राम स्वराज, संरक्षकता, सामाजिक सशक्तिकरण, राष्ट्रवाद, आदर्श समाज।	18

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित पुस्तकें/ सहायक पुस्तकें/अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री :

1. Doshi, S.L., (2007) Modern Sociological Thinkers, Rawat Publication Jaipur.
2. Nagla, B.K., (2015) Indian Sociological Thought, Rawat Publication Jaipur.
3. Rao Shankar, C. N., (2019) Principal of Sociology, S Chand and Company

(Dr. M. Bajpai)

Delhi.
4. Rawat, H. K., (2009) Sociological Thinkers and Theories, Rawat Publication Jaipur.
5. दोषी, एस.एल. एवंजैन, पी.सी., (2001) प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, रावत पब्लिकेशन जयपुर.
6. मुखर्जी, आर.एन., (2020) समाजशास्त्रीय विचारक, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन दिल्ली.
7. गुप्ता, एम. एल. एवंशर्मा, डी. डी., (2022) सामाजिक विचारक, साहित्य भवन प्रकाशन आगरा
8. मुराणा, पुष्पेंद्र, (1999) सामाजिक विचारक, राजस्थानी ग्रंथागार जोधपुर
9. Foundations of Sociological Thoughts, Sadhana Gokhale, Nirali Prakashan
10. Sociological Thought From comte to Sorokin, Francis abraham & john H. Morgan. Wyndham Hall press.

Suggestive digital platforms :

https://nptel.ac.in/
https://swayam.gov.in/explorer
https://rb.gy/c3ire9
https://rb.gy/fs86yi
www.eshikash.mp.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

https://nptel.ac.in/

https://swayam.gov.in/explorer

IGNOU, UGC, ePGPathshala& other centrally / state operated Universities.

MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad.

भाग द- अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लासटेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुलअंक : 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब): वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (स): वस्तुनिष्ठ प्रश्न	कुलअंक 70

कोईटिप्पणी/सुझाव:

Bajpai
(Dr. M. Bajpai)

Group 'B' Paper II

Part A Introduction			
Program: Degree Course	Class: B.A.	Year: III	Session:2023-2024
Subject: Sociology			
1	Course Code	A3-SOCI4D	
2	Course Title	Crime and Society	
3	Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/ ....)	Discipline Specific Elective Group 'B' Paper II	
4	Pre-requisite(if any)	This is an elective course and can be opted by all B.A III students with Sociology as one of the core subject	
5	Course Learning outcomes (CLO)	By this curriculum student will successfully to gain the following knowledge - 1. Major outcome of this course will make the students to discover and analyze the fundamental knowledge of crime, criminals and the scientific and logical understanding about the causes of crime and remove the fallacy related with these. 2. This syllabus will be helpful to aware the students about the new patterns of crime such as organized, professional and cyber crime. 3. The knowledge of constitutional provisions of crime, rules of compensation and justice for victims will prove important for students. 4. The new provisions related with punishment, prison and prisoners will make the thinking of students more scientific. 5. This course will provide students a west area of job opportunities in government, research, medical, legal, social sector and consultancy etc.	
6	Credit Value	Theory- 6	
7	Total Marks	Max.Marks:30+70	Min. Passing Marks:35

(Dr. M. Bajpai)

Part B-Content of the Course		
Total No.of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):6 hours per week **L-T-P:6-0-0**		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures**
I	**1. Crime and Criminals:-** **1.1** Meaning definition and characteristics 1.2 Classification of crime 1.3 Tort, Sin, Vico and Immorality 1.4 Causes of crime in India **2. Major schools of crime causation -** 1.1 Classical school 2.2 Geographical school 2.3 Typological school 2.4 Sociological school **3. Prevention and control of crime in India -** 3.1 Meaning and objectives 3.2 Main measures for prevention of crime 3.3 Role of Police in crime control 3.4 Compensation rules for crime victims.	18
Keywords : Crime, Victim Tort, Sin, Immorality, schools of crime, Prevention of crime, Compensation.		
II	**1. Changing Profile of Crime -** 1.1 Professional crime and organised crime 1.2 White Collor crime 1.3 Cyber crime **2. Crime against children and women -** 2.1 Types and causes 2.2 Measures for eradication 2.3 Legislative measures for crime against children and women	18
Key words: Professional and Organised Crime, White Collar Crime, Cyber crime.		
III	**1. Juvenile delinquency -** 1.1 Juvenile Delinquency meaning, definition. 1.2 Causes of Juvenile Delinquency 1.3 Prevention and remedies to Juvenile Delinquency 1.4 Related Reform institutions in India 1.5 Juvenile Court **2. Juvenile Vagrancy -** 2.1 Meaning, definition and causes 2.2 Measures for eradication of the problem **3. Juvenile Truancy -** 3.1 Meaning, definition and causes 3.2 Difference between Truancy, Vagrancy and Delinquency.	18
Keywords - Juvenile Delinquency, Juvenile Court, Juvenile Vagrancy, Juvenile truancy.		

(Dr M. Bajpai)

IV	**1. Punishment -** 1.1 Punishment meaning, definition and objectives 1.2 Theories of punishment 1.3 Capital punishment **2. Penology -** 2.1 Meaning definition 2.2 Scope of penology **3. Probation and Parole -** 2.1 Meaning, definition 2.2 Objectives, eligibility and conditions 2.3 Advantages and disadvantages	18
Key words: Punishment Theories of Punishment, Capital Punishment, Penology, Probation Parole.		
V	**1. Correctional Institution in India -** 1. Correctional Programs : Meaning and Characteristics 2. Prison 2.1 Meaning, Definition and Objectives 2.2 Historical background of prison in India 2.3 Human Rights and management of prison 2.4 Prison reforms 3. Open Prison : Meaning, Definition and Objectives 4. Prisoners Welfare Programs	18
Keywords/Tags: Correctional Program, Prison, Human Rights, Prison Reforms, Open Prison Welfare Programs.		

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

- अपराधशास्त्र गणेश पाण्डेय -, राधा पब्लिकेशन्स
- अपराधशास्त्र एवं दण्डशास्त्र डा बसंतीलाल बाबेल -, सुविधा ला हाउस प्रा.लि.
- विवेचनात्मक अपराधशास्त्र मुकेश आहूजा रावत पब्लिकेशन राम आहूजा एवं -
- अपराधशास्त्र, दण्डशास्त्र एवं पीड़ितशास्त्र, इण्डिया पब्लिशिंग कम्पनी पब्लिकेशन डिवीजन
- दण्डशास्त्र अपराधियों का उपचार एवं पीड़ित शास्त्र, अमर लॉ पब्लिकेशन, इंदौर
- अपराध, दण्ड प्रशासन एवं पीड़ित शास्त्र, डॉ ना.वि. परांजपे, सेन्ट्रल लॉ पब्लिकेशन
- सामूहिक हिंसा एवं दाण्डिक न्याय पद्धति, डॉ. फरहत खान, अमर लॉ पब्लिकेशन
- मादक द्रव्य व्यसन, आपराधिक न्याय और मानव अधिकार, डॉ. फरहत खान एवं आरिफ रावत अमर लॉ पब्लिकेशन
- **Penology: Treatment of Offenders & Victimology (Hindi) For LLM Students by Dr. Farhat Khan, Amar Law Publication's**
- **Criminology & Penology Prof. N.V. Paranjape , Central Law Publications**

(Dr. M. Bajpai)

Suggestive digital platforms web link shorturl.at/abiK5 shorturl.at/GMRX2 https://rb.gy/ctvx2o https://rb.gy/xnnzel https://rb.gy/pzddpu www.eshikash.mp.gov.in
Suggested equivalent online courses: IGNOU & Other centrally/state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad https://rb.gy/lbwran
Part D-Assessment and Evaluation
Maximum Marks :100 **Continuous Comprehensive Evaluation**
(CCE) :30 University Exam (UE) :70 **Time :03.00 Hours**

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test (**Descriptive/Objective Type**)	
	Assignment/Presentation/ Group Work/Seminar/ Power Point Presentation	
	Total	**30**
	Section(A): Objective Type Question Section(B):Short Questions Section(C):Long Questions	
	Total	**70**

(Pr. M. Bajpai)

Group 'B' Paper II

<table>
<tr><td colspan="4">भाग अ - परिचय</td></tr>
<tr><td colspan="2">कार्यक्रम: उपाधि पाठ्यक्रम</td><td>कक्षा: बी.ए.</td><td>वर्ष: तृतीय
सत्र: 2023-24</td></tr>
<tr><td colspan="4">विषय: समाजशास्त्र</td></tr>
<tr><td>1</td><td>पाठ्यक्रम का कोड</td><td colspan="2">A3-SOCI4D</td></tr>
<tr><td>2</td><td>पाठ्यक्रम का शीर्षक</td><td colspan="2">अपराध और समाज</td></tr>
<tr><td>3</td><td>पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)</td><td colspan="2">डिसीप्लेन स्पेसिफिक इलेक्टिव
समूह 'ब' प्रश्न-पत्र द्वितीय</td></tr>
<tr><td>4</td><td>पूर्व-अपेक्षा:(यदि कोई हो)</td><td colspan="2">यह एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम है, जिसका चयन बीए तृतीय वर्ष के वे सभी विद्यार्थी कर सकते हैं, जिनका समाजशास्त्र मुख्य विषय है।</td></tr>
<tr><td>5</td><td>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियाँ (सीएलओ)</td><td colspan="2">इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के द्वारा विद्यार्थी निम्नलिखित सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करने में सफल होंगे-
1. इस पाठ्यक्रम की मुख्य परिलब्धि विद्यार्थियों के मध्य अपराध, अपराधी एवं अपराध के कारणों की वैज्ञानिक एवं तार्किक समझ पैदा करना एवं इस संबंधी पूर्व भ्रांतियों को दूर करना है।
2. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को संगठित, व्यवसायिक, श्वेतपोश अपराध एवं साइबर अपराध जैसे नये अपराधों के प्रति सचेत करने में सफल होगा।
3. अपराध हेतु संवैधानिक प्रावधानों, क्षतिपूर्ति के नियम एवं पीड़ितों के प्रति न्याय संबंधी ज्ञान विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण होगा।
4. दण्ड, कैदी एवं बंदीगृह संबंधी नये प्रावधान विद्यार्थियों की सोच को वैज्ञानिक बनाएंगी।
5. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को एक वृहद क्षेत्र जैसे शासकीय सेवा, शोध क्षेत्र, चिकित्सा, परामर्श एवं सामाजिक क्षेत्र में रोजगार के प्रचुर अवसर उपलब्ध करायेगा।</td></tr>
<tr><td>6</td><td>क्रेडिट मान</td><td colspan="2">06</td></tr>
<tr><td>7</td><td>कुल अंक</td><td>अधिकतम अंक:30+70</td><td>न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35</td></tr>
</table>

(Dr M.Bajpai)

भाग ब: - पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:		
इकाई	विषय	No. of Lectures
I	**1 अपराध एवं अपराधी** 1.1 अपराध: अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं 1.2 अपराध का वर्गीकरण 1.3 दुष्कृति, पाप, दुराचारएवं अनैतिकता 1.4 भारत में अपराध के कारण **2 अपराध के कारण संबंधी प्रमुख सम्प्रदाय** 2.1 शास्त्रीय सम्प्रदाय 2.2 भौगोलिक सम्प्रदाय 2.3 प्रारूपवादी सम्प्रदाय 2.4 समाजशास्त्रीय सम्प्रदाय **3 भारत में अपराध निवारण एवं नियंत्रण** 3.1 अर्थ एवं उद्देश्य 3.2 अपराध निवारण के मुख्य उपाय 3.3 अपराध नियंत्रण में पुलिस की भूमिका 3.4अपराध पीड़ित हेतु क्षतिपूर्ति प्रावधान	18
सार बिन्दु: अपराध, दुष्कृति, पाप, दुराचार, अपराध के प्रमुख सम्प्रदाय, अपराध निवारण, पीड़ित, क्षतिपूर्ति प्रावधान		
II	**1 अपराध के बदलते प्रारूप:** 1.1 पेशेवर अपराध एवं संगठित अपराध 1.2 श्वेत वसन अपराध 1.3 सायबर अपराध **2 बच्चों एवं महिलाओं के प्रति अपराध:** 2.1 प्रकार एवं कारण 2.2 उन्मूलन के उपाय 2.3बच्चों एवं महिलाओं के विरुद्ध अपराध हेतु वैधानिक प्रावधान	1
सार बिन्दु: पेशेवर एवं संगठित अपराध, श्वेतवसन अपराध, सायबर अपराध.		

Bajpai
(Dr. M. Bajpai)

III	**1. बाल अपराध** 1.1 बाल अपराध, अर्थ, परिभाषा एवं वर्गीकरण 1.2 बाल अपराध के कारण 1.3 बाल अपराध का निवारण एवं उपचार 1.4 भारत में संबंधित सुधारात्मक संस्थाएं 1.5 किशोर न्यायालय **2. बाल आवारापन** 2.1 अर्थ, परिभाषा एवं कारण 2.2 समस्या उन्मूलन के उपाय **3. बाल पलायनवादिता** 3.1 अर्थ, परिभाषा एवं कारण 3.2 बाल आवारापन, बाल पलायनवादिता एवं बाल अपराध में अंतर	18
सार बिन्दु: बाल अपराध, किशोर न्यायालय, बाल आवारापन, बाल पलायन वादिता		
IV	**1 दण्ड** 1.1 दण्ड, अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य 1.2 दण्ड के सिद्धांत 1.3 मृत्युदण्ड **2 दण्डशास्त्र** 2.1 अर्थ एवं परिभाषा 2.2 दण्डशास्त्र का विषयक्षेत्र **3 परिवीक्षा एवं कारावकाश (पैरोल)** 3.1 अर्थ एवं परिभाषा 3.2 उद्देश्य, योग्यता एवं शर्तें 3.3 लाभ एवं हानि	18
सार बिन्दु: दण्ड, दण्ड के सिद्धांत, मृत्युदण्ड, दण्डशास्त्र, परिवीक्षा, कारावकाश		

Bajpai
(Dr. M. Bajpai)

V	भारत में सुधारात्मक संस्थाएं 1 सुधारात्मक कार्यक्रम: अर्थ एवं विशेषताएं 2 बंदीगृह: 2.1 अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य 2.2 भारत में बंदीगृह का इतिहास 2.3 मानवाधिकार एवं बंदीगृह प्रबंधन 2.4 बंदीगृह सुधार 3 खुले बंदीगृह: अर्थ, परिभाषा एवं उद्देश्य 4 बंदी कल्याण कार्यक्रम:	18

सार बिन्दु: सुधारात्मक कार्यक्रम, बंदीगृह, मानवाधिकार, बंदीगृह सुधार, खुले बंदीगृह, बंदीकल्याण कार्यक्रम

भाग स:- अनुशंषित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें/संदर्भ पुस्तकें/अन्य संसाधन

Suggested Readings:

- अपराधशास्त्र गणेश पाण्डेय .डा -, राधा पब्लिकेशन्स
- अपराधशास्त्र एवं दण्डशास्त्र डा बसंतीलाल बाबेल -, सुविधा ला हाउस प्रा.लि.
- विवेचनात्मक अपराधशास्त्र पब्लिकेशन राम आहूजा एवं मुकेश आहूजा रावत -
- अपराधशास्त्र, दण्डशास्त्र एवं पीड़ितशास्त्र, इण्डिया पब्लिशिंग कंपनी पब्लिकेशन डिवीजन
- दण्डशास्त्र अपराधियों का उपचार एवं पीड़ित शास्त्र, अमर लॉ पब्लिकेशन, इंदौर
- अपराध, दण्ड प्रशासन एवं पीड़न शास्त्र, डॉ ना.वि. परांजपे, सेन्ट्रल लॉ पब्लिकेशन
- सामूहिक हिंसा एवं दाण्डिक न्याय पद्धति, डॉ. फरहत खान, अमर लॉ पब्लिकेशन
- मादक द्रव्य व्यसन, आपराधिक न्याय और मानव अधिकार, डॉ. फरहत खान एवं आशिष रावत अमर लॉ पब्लिकेशन
- **Penology: Treatment of Offenders & Victimology (Hindi) For LLM Students by Dr. Farhat Khan, Amar Law Publication's**
- **Criminology & Penology Prof. N.V. Paranjape . Central Law Publications**

Suggestive digital platforms web link

shorturl.at/abiK5

shorturl.at/GMRX2

https://rb.gy/ctvx2o

https://rb.gy/xnnzel

https://rb.gy/pzddpu

www.eshikash.mp.gov.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad

https://rb.gy/lbwran

(Dr M. Bajpai)

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिकमूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	क्लासटेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुलअंक : 30
आकलन : विश्वविद्यालयीनपरीक्षा : समय- 3.00 घंटे	अनुभाग (अ) : वस्तुनिष्ठप्रश्न अनुभाग (ब) : लघुउत्तरीयप्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घउत्तरीयप्रश्न	कुलअंक : 70

कोईटिप्पणी/सुझाव :

Any remarks/ suggestions:

(Dr. M. Bajpai)